

करमा उत्सव

चर्चा में क्यों?

झारखंड के [मुख्यमंत्री](#) ने राँची में आयोजित [करमा उत्सव](#) समारोह में भाग लिया।

मुख्य बदि

करमा (करम) उत्सव के बारे में:

- **भौगोलिक और सामुदायिक पहुँच:**
 - यह एक फसल उत्सव है, जो झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और ओडिशा राज्यों में **जनजातीय समुदायों** द्वारा मनाया जाता है।
 - यह [मुंडा, हो, ओरांव, बैगा, खड़िया और संथाल जनजातियों](#) के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय है।
- **समय और तिथि:**
 - पारंपरिक रूप से यह उत्सव **भाद्रपद/भादो (अगस्त-सितंबर)** मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि (**ग्यारहवें दिन**) को मनाया जाता है।
- **मुख्य प्रतीक और देवता:**
 - इस उत्सव का नाम **करम वृक्ष** के नाम पर रखा गया है। इस वृक्ष को पारंपरिक रूप से **करम देवता या करमसनी**, जो शक्ति, यौवन और जीवनशक्ति के देवता माने जाते हैं, के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।
- **अनुष्ठान और औपचारिक प्रथाएँ:**
 - **तैयारी:** उत्सव से लगभग एक सप्ताह पूर्व युवतियाँ नदी से सवच्छ रेत लाकर उसमें सात प्रकार के अनाज बोती हैं।
 - **मुख्य समारोह:** उत्सव के दिन करम वृक्ष की एक शाखा **आँगन** या 'अखरा' में लगाई जाती है।
 - **पूजा:** श्रद्धालु **जवा (गुडहल) के फूल** अर्पित करते हैं और **'पाहन' (जनजातीय पुजारी)** करम राजा या करम देवता की पूजा करते हैं।
 - **उत्सव:** पूजा के बाद पारंपरिक करम गीतों के साथ सामूहिक नृत्य और गायन होता है।
 - **समापन:** करम शाखा को नदी या तालाब में वसिर्जति करने के साथ इस उत्सव का समापन होता है तथा **जवा** को श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाता है।
- **कृषिसिंधी महत्त्व:**
 - इस उत्सव की उत्पत्ति **जनजातीय समुदायों** द्वारा कृषि की शुरुआत से जुड़ी हुई है।
 - **उरांव/कुरुख समुदाय** ने कृषि चक्र के अनुरूप सांस्कृतिक परंपराओं को संयोजित करते हुए करमा उत्सव को धान/अनाज का उत्सव रूप में मनाना आरंभ किया।
 - उत्सव के बाद प्रायः खेतों में साल या भेलुआ के पेड़ों की शाखाएँ लगाई जाती हैं, इस विश्वास के साथ कि **करम देवता** उनकी फसलों की रक्षा करेंगे।
 - **चरिचिट्टी (भूसा फूल)** और **सदिवार (पवतिर वृक्ष)** के तने धान के खेतों में लगाए जाते हैं, जो प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में कार्य करते हैं।
 - अनुष्ठान के दौरान **पाहन (पुजारी)** अच्छी फसल के लिये प्रार्थना करता है।